मुख्यमंत्री ने ओसियां में करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री ने आव्हान किया कि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं और समृद्ध बनें

जोधपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास का रोडमैप बनाया है, जिसके अनुरूप पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया जा रहा है। जनकल्याण के जो भी वादें किए हैं, उन्हें पूरा करते हुए हर क्षेत्र को समग्र विकास की सौगातें दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान के लक्ष्य के क्रम में युवा, महिला, किसान और मजदूर का कल्याण सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जोधपुर के ओसियां में विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

ओसियां में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

- सीएम भजनलाल शर्मा ने ओसियां उपखण्ड मुख्यालय पर खेल स्टेडियम के निर्माण के साथ ही नेतरा और पिचकीबेरा में 33 केवी के जीएसएस के स्थापना की घोषणा भी की

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, विद्युत, सड़क सहित विभिन्न क्षेत्रों के 416 करोड़ रुपये से अधिक विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने ओसियां उपखण्ड मुख्यालय पर खेल स्टेडियम के निर्माण के साथ ही नेतरा और पिचकीबेरा में 33 केवी के जीएसएस के स्थापना की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने आव्हान किया कि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाएं और समृद्ध बनें। इसी कड़ी में राज्य सरकार जयपुर में 23 से 25 मई तक ग्राम-2026 का आयोजन भी कर रही है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत देश में सबसे ज्यादा 2 करोड़ 19 लाख पॉलिसी जारी की गई हैं तथा 6 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम वितरित किए हैं। वहीं, पीएम कुसुम योजना के तहत 65 हजार सोलर पंप सेट स्थापित करने के लिए 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। उन्होंने राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के लाभों और उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर एवं गंगनहर का सुदृढ़ीकरण, देवास परियोजना का विस्तार, सोम-कमला-अंबा एवं ब्राह्मणी नदी से संबंधित परियोजनाओं को साकार करने का काम रही हैं। जोधपुर, पाली और सिरोही सहित सभी क्षेत्रों को पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन घोटाले में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध राज्य सरकार कठोर कार्रवाई कर रही है।

सीएम शर्मा ने कहा कि पेपरलीक के मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए 400 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पचपदरा स्थित एचपीसीएल रिफाइनरी औद्योगिक विकास का प्रतीक है। एचपीसीएल रिफाइनरी में उद्घाटन से पूर्व दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। इस अवसर पर शर्मा ने विधायक भैराराम सियोल के माता-पिता की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने ओसियां विकास दर्शन पुस्तिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, सांसद पी.पी. चौधरी, राजेन्द्र गहलोत, विधायक बाबू सिंह राठौड़, पब्बाराम विश्नोई, अर्जुन लाल, देवेन्द्र जोशी, जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संत एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

खेतड़ी में सड़क किनारे संदिग्ध हालत में युवक का शव मिला

- ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मामले को एक्सीडेंट बताकर परिजनों को गुमराह किया जा रहा है, पुलिस ने जांच शुरु की

खेतड़ी, (निसं)। पचेरीकलां थाना के सहड़ गांव के पास सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना को लेकर ग्रामीणों ने युवक की हत्या कर शव सड़क किनारे डालने का आरोप लगाया है। घटना को लेकर पुलिस ने शव को बुहाना के राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

जानकारी के अनुसार सहड़ निवासी विक्रम सिंह पुत्र रघुवीर यादव का शव बुधवार को पचेरी-सहड़ सड़क पर माजरी के पास संदिग्ध अवस्था में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस फिलहाल मामले को एक्सीडेंट और मर्डर दोनों एंगल से जांच रही है। मृतक के ताऊ के बेटे कृष्ण कुमार ने बताया कि विक्रम सिंह मंगलवार शाम को गुरुग्राम से अपने गांव सहड़ लौट रहा था। उसके पास बस की टिकट भी मिली है, जिससे उसके यात्रा करने की पुष्टि होती है। रातभर घर नहीं पहुंचने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस की ओर से सूचना मिली कि पचेरी-सहड़ रोड पर एक युवक का शव मिला है, जो विक्रम सिंह का है। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे तथा शव की शिनाख्त की। उनका कहना है कि विक्रम की मौत सामान्य हादसा नहीं लग रही, बल्कि किसी साजिश के तहत उसे मारा गया है। परिवार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। घटना की खबर फैलते ही सहड़ गांव में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण बुहाना मोर्चरी के बाहर एकत्रित हो गए। पुलिस ने परिजनों को शिकायत देने के लिए कहा है और पोस्टमार्टम करवाकर मौत के कारणों का खुलासा करने की बात कही है।

ग्रामीणों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि मामले को एक्सीडेंट बताकर परिजनों को गुमराह किया जा रहा है। उनका कहना है कि मृतक के शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान हैं। वहीं डेड बॉडी के पास खून के धब्बे भी मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार मृतक के सिर पर किसी हथियारनुमा वस्तु से वार किए जाने के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि यह मामला साधारण सड़क हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है। मृतक विक्रम तीन भाई हैं एक भाई की पहले मौत हो चुकी है तथा एक भाई संजय सेना में है। मृतक के दो बच्चे आयुष 12 साल, आरव 9 साल है। वह गुरूग्राम में ड्राइवर की नौकरी करता था। इस संबंध में थानाधिकारी बनवारीलाल यादव ने बताया कि मृतक के ताऊ के लड़के की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की गहन जांच जारी है।

भूलवश कीटनाशक सेवन से युवती की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया के रामपुरा भाटियान गांव में एक युवती ने भूल से कीटनाशक सेवन कर लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी उपचार के बीच मौत हो गई। उसके भाई की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

मथानिया पुलिस ने बताया कि मूलत: नागौरी बेरा मंडोर हाल डालाबेरा रामपुरा भाटियान निवासी महेंद्र पुत्र संतोकराम ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसकी बहन 19 वर्षीय संजू ने 18 अप्रैल को खेत पर काम करने के समय भूल से कीटनाशक का सेवन कर लिया था। इस पर उसकी तबीयत बिगड़ गई। बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, अब मौत हो गई।

जोधपुर के तीन युवकों से झुंझुनू के दो युवकों ने लाखों की धोखाधड़ी की

- म्युच्यूअल फंड में इंवेस्टमेंट के नाम पर 25 लाख की ठगी की
- 16 महिने बीतने के बाद भी ना तो मुनाफा मिला और ना ही दी गई राशि लौटाई

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित सुभाष चौक में रहने वाले तीन युवकों से 25 लाख के करीब का फ्रॉड हो गया। झुंझुनू के दो युवकों ने उन्हें झांसे में लेकर म्युच्यूअल फंड में इंवेस्टमेंट के नाम पर अपनी धोखाधड़ी का शिकार बनाया। 16 महिने बीतने के बाद भी ना तो मुनाफा मिला और ना ही दी गई राशि लौटाई गई। आरोपियों ने अब अपना फोन भी बंद कर दिया और ठिकाना भी बदल लिया है। रातानाडा पुलिस ने कोर्ट से मिले इस्तगासे पर धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है।

रातानाडा पुलिस ने बताया कि न्यू रेलवे कॉलोनी, सुभाष चौक निवासी प्रमोद जटवाल, रामावतार एवं अश्विनी कुमार की तरफ से एक संयुक्त परिवाद दिया गया। इसमें बताया कि उनकी पहचान झुंझुनू के बासरी निवासी गौरव शर्मा से वर्ष 2022 से थी। गौरव शर्मा ने बाद में उन्हें झुंझुनूं के पुजारियों का मोहल्ला निवासी ललित शर्मा से मिलाया था। ललित शर्मा ने खुद को एक बड़ी कंपनी में होना बताकर उनसे इंवेस्मेंट करने को कहा। उन्हें रूपए डबल करने का आश्वासन दिया गया। इस पर बाद में तीनों ने मिलकर ललित शर्मा और गौरव शर्मा के कहे अनुसार म्युच्यूअल इंडेक्स फंड में इंवेस्टमेंट कियाारिपोर्ट के अनुसार प्रमोद जटवाल ने 13 नवंबर से 17 नवंबर 2024 फिर 1 अक्टूबर 2025 से 11 अक्टूबर 2025 तक 9 लाख रूपए इंवेस्ट किए। जोकि फोन पे, गूगल और अन्य ऑन लाइन साधन से दिए गए। वहीं रामावतार की तरफ से 16 जून 2025 से 8 नवंबर 2025 तक 13 लाख रूपए दिए गए। साथ ही अश्विनी कुमार ने 4.38 लाख रूपए इंवेस्ट किए। मगर इसके बाद आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया। 16 महिने गुजरने के बाद भी जमा कराई वापिस नहीं मिली। साथ ही मुनाफा भी नहीं दिया गया। आरोपियों ने अपना ठिकाना भी बदल दिया है। पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है।

महिला आरक्षण को अटकाने की प्रक्रिया को कांग्रेस व सहयोगी दलों ने जारी रखा : डॉ. निमिषा

करौली में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर निमिषा गौर ने प्रेस वार्ता की।

- नारी शक्ति वंदन अधिनियम की क्रियान्वयन में बाधा डालने वाले विपक्ष के विरूद्ध महिलाओ में आक्रोश : डॉ. निमिषा गौर

करौली, (निसं)। करौली में बुधवार को भाजपा कार्यालय पर भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर निमिषा गौर ने प्रेस वार्ता में कहा कि चार दशक से महिला आरक्षण को अटकाने, लटकाने एवं भटकाने की प्रक्रिया को कांग्रेस एवं उसके सहयोगी दलों ने जारी रखा। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को केंद्र सरकार ने लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए, जिसमें संविधान (एक सौ इकतालीसवां संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 एवं केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किए गए। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम यह प्रावधान करता है कि महिलाओं के लिए आरक्षण 2026 के बाद आयोजित होने वाली जनगणना के बाद परिसीमन के आधार पर लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार जनगणना और परिसीमन की प्रतीक्षा करती, तो जनगणना और उसके बाद परिसीमन की अवधि में समय लगने के कारण महिलाएं 2029 के आम चुनावों में भी 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाती। अगर ये बिल पास हो जाता, तो महिलाएं वर्ष 2029 के आम चुनावों में ही लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त करने में सक्षम हो पाती। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. निमिषा गौर ने कहा कि परिसीमन का अर्थ है निर्वाचन क्षेत्र की सीमा को अंतिम रूप देना। महिला आरक्षण लागू करने के लिए यह अनिवार्य है। 1976 में लोकसभा में सीटों की सीमा 550 निर्धारित की गई थी। 1971 में भारत की जनसंख्या 54 करोड़ थी, परंतु आज यह संख्या 140 करोड़ है। इसलिए, लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करना महत्वपूर्ण है। परिसीमन आयोग अधिनियम में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया गया था। मौजूदा कानूनी ढांचा बरकरार है, और आयोग की किसी भी सिफारिश के लिए संसदीय अनुमोदन और राष्ट्रपति की सहमति की आवश्यकता होगी। सीटों में समान रूप से 50 प्रतिशत की वृद्धि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अनुपात बनाए रखेगी। यह प्रस्ताव आनुपातिक विस्तार दृष्टिकोण पर आधारित था। वर्तमान 543 सीटों पर इस सिद्धांत को लागू करने से लगभग 815 सीटें हो जाएंगी। इसलिए, लोकसभा में सीटों की ऊपरी सीमा को वर्तमान 550 सीटों से बढ़ाकर 850 कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि दक्षिणी राज्यों को प्रतिनिधित्व में किसी कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा, बल्कि उनका कुल हिस्सा स्थिर रहेगा। आरक्षण लागू करने के लिए सीटों के परिसीमन की आवश्यकता होती है। परिसीमन एक व्यापक परामर्श प्रक्रिया है और इसे पूरा करने में लगभग दो साल लगते हैं। इसलिए, महिला आरक्षण लागू करने के लिए ये विधेयक (परिसीमन विधेयक सहित) संसद में लाए गए थे। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण के लिए कानूनी और संवैधानिक ढांचा स्थापित करने के लिए विधेयक को 2023 में पेश और पारित किया गया था। इसलिए इन क्षेत्रों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए विशिष्ट संशोधनों की आवश्यकता थी, जिसके लिए एक अलग विधेयक आवश्यक हो गया।

प्रेस वार्ता के दौरान करौली धौलपुर सांसद प्रत्याशी ईंदू देवी जाटव, क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, योगेश शर्मा, सुरेश शुक्ला, पुष्पेंद्र, अजय सिंह राजपूत, विद्या वैष्णव, आदित्य शर्मा, गोपाल शर्मा, जितेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंघल आदि उपस्थित रहे।

पिता-पुत्र को एसयूवी ने टक्कर मारी, मौत

जोधपुर, (कासं)। जिले के चामू क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत लोड़ता हरिदासोत में बस का इंतजार कर रहे पिता-पुत्र को एक तेज रफ्तार एसयूवी ने कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर चामू पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई की।

पुलिस ने बताया कि कुनाराम (50) पुत्र जोगाराम और उसके 13 वर्षीय पुत्र जसाराम की मौत हुई है। दोनों देचू जाने के लिए सड़क किनारे बस का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान देवातू से देचू की ओर जा रही एक बारात की एसयूवी तेज गति से अनियंत्रित हो गई और पलटते हुए सड़क किनारे खड़े पिता-पुत्र को अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही चामू पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहीं, हादसे में एसयूवी में सवार कुछ लोग भी घायल हुए हैं।

जोधपुर : जेएनवीयू में बकाया पेंशन की मांग को लेकर प्रदर्शन जारी

पेंशनर्स ने चार माह की बकाया पेंशन के भुगतान की मांग की

- चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) में पेंशनर्स ने बकाया पेंशन के भुगतान की मांग को लेकर पेंशन सोसाइटी के बैनर तले केंद्रीय कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने विवि प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आज के धरने में उन अभावग्रस्त अशैक्षिणक वरिष्ठ कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से कमान संभाली जिन्होंने या तो अपने परिजनों को पेंशन न मिलने के कारण खो दिया या जो धनाभाव के कारण भूखों मरने के कगार पर हैं। पेंशनर्स ने चेतावनी दी कि पेंशन का भुगतान नहीं हो जाता या विश्वविद्यालय लिखित में बकाया पेंशन भुगतान की तारीख नहीं बताएगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।

प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से स्पष्ट कहा कि अब केवल मौखिक आश्वासन नहीं, बल्कि लिखित में पेंशन भुगतान की गारंटी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पेंशनधारकों ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन बकाया पेंशन का भुगतान न करके अन्याय का परिचय दे रहा है, जो हमें किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने बताया कि अधिकांश कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि वे अपने परिवार का न केवल भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, बल्कि उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधा भी नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे ही अनेक कर्मचारियों ने अपनी व्यथा सबके समक्ष व्यक्त की। जिनमें बाबूलाल सियोटा, अमर सिंह, प्रदीप कुमार शर्मा, नूरजहां, रविन्द्र सिंह शेखावत, मोहम्मद शरीफ, जेठू सिंह, तथा परमेश्वर सिंह चौहान आदि थे। आज प्रदर्शन में सम्मिलित होने वालों में पूर्व कुलपति प्रो. भंवर सिंह राजपुरोहित, प्रो. कैलाशनाथ व्यास, प्रो. बीना त्रिपाठी, प्रो. पीके बनर्जी, राकेश मेहता, राधेश्याम शर्मा, दिनेश रामावत, गोपाल चौहान आदि के साथ साथ अनेक वरिष्ठ जन भी उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए संयोजक अशोक व्यास और अध्यक्ष प्रोफेसर राम निवास शर्मा ने कहा कि जब तक हमारी पेंशन का भुगतान नहीं हो जाता या विश्वविद्यालय लिखित में बकाया पेंशन भुगतान की तारीख नहीं बताएगा, तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

कैला माता के श्रद्धालुओं की बस में आग लगी, हादसा टला

कैलादेवी/करौली, (निसं)। आस्थाधाम कैलादेवी में बुधवार दोपहर कैला माता के दर्शन करने आए दर्शनार्थियों की एक डबल डेकर एसी बस में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। दोपहर करीब एक बजे यात्रियों की गाड़ी सपोटरा रोड बरगमा चौराहे पर खड़ी हुई थी। अचानक से गाड़ी में आग की लपटें उठने लगी तथा कुछ ही समय में आग की लपटों ने गाड़ी को पूरी तरह से चपेट में ले लिया। इस दौरान आग की लपटों से धूएं का गुबार उठने लगा। धुएं के गुबार को देखकर मौके पर लोगों की बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर कैला देवी थानाधिकारी रामवतार मीना मौके पर पहुंचे।

थानाधिकारी मीना ने बताया कि बस का ड्राइवर खाना खाने गया था तथा दर्शनार्थी मंदिर दर्शनों के लिए गये थे। गनीमत यह रही की डबल डेकर एसी बस से यात्री दर्शन करने के लिए मां के मंदिर चले गए जिससे बस खाली होने के कारण कोई अनहोनी घटना नहीं हुई। दर्शनार्थियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कानपुर उत्तर प्रदेश से एसी बस मंगलवार शाम सात बजे कैलादेवी के लिए रवाना हुई थी। बस में करीब 30-35 यात्री दर्शनों के लिए आए थे। अज्ञात कारणों से बस में अचानक आग लग गयी। हालांकि स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का पूरा प्रयास किया लेकिन वह नाकाफी साबित हुआ।

बंद घर में शॉर्ट सर्किट से आग लगी

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर निहालगंज थाना क्षेत्र की अशोक बिहार कॉलोनी में देर रात एक बंद मकान के कमरे में भीषण आग लग गई। हादसे के वक्त मकान मालिक अशोक शर्मा परिवार के सभी सदस्यों के साथ शादी समारोह में गए हुए थे। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते घर में रखा लाखों रुपए का कीमती सामान जलकर खाक हो गया। फर्नीचर, टीवी, फ्रिज, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और घर में रखी नकदी सब आग की भेंट चढ़ गए। आसपास के लोगों ने धुआं उठता देख पुलिस और दमकल को सूचना दी।

अलवर : गर्मी में पानी का संकट गहराया, घरों में पांच दिन से पानी की सप्लाई

- पेयजल समस्या से परेशान लोगों ने लादिया फील्ड सप्लाई प्वाइंट पर जाकर प्रदर्शन किया

अलवर, (निसं)। गर्मी के साथ ही पानी का संकट भी गहराने लगा है। अलवर के वार्ड 12 में 4 से 5 दिनों में पानी की सप्लाई होती है। पेयजल समस्या से परेशान लोगों ने लादिया फील्ड सप्लाई प्वाइंट पर जाकर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को घेराव कर दिया। नौबत ये आई गई कि पुलिस जाब्ता बुलाना पड़ा। पानी की सप्लाई होने के बाद ही लोग शांत हुए।

प्रदर्शन के दौरान अखैपुरा थाने के थाना प्रभारी महेश तिवाड़ी ने एक महिला से कहा 'मैंने आपको देख रखा है।' गौरतलब है कि पानी को लेकर पहले भी प्रदर्शन होते आए हैं, जिसमें महिला और थाना प्रभारी का पहले भी आमना-सामना हुआ है। वहीं जेईएन ने दो लोगों के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पानी संकट का ये मामला वार्ड 12 के होली ऊपर व कुम्हार पाडी सहित आस-पास के मोहल्ले का है। पानी की किल्लत को लेकर आज लादिया फील्ड सप्लाई प्वाइंट पर विरोध-प्रदर्शन किया गया था। जलदाय विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों से लोगों की बहस हुई। लोगों ने अधिकारियों का घेराव कर दिया।

वार्ड में रहने वाले गौरव शर्मा ने बताया कि लादिया फील्ड से वार्ड 12 और 19 पानी की सप्लाई होती है। वार्ड 12 में पानी की हमेशा किल्लत बनी रहती है। वार्ड 12 के होली ऊपर, कुम्हार पाड़ी सहित अन्य हिस्सों में 4 से 5 दिन में पानी आता है। वह भी पूरा नहीं आ रहा है। इस कारण मंगलवार सुबह लोग लादिया पानी की सप्लाई प्वाइंट पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। पुलिस के आने के बाद जलदाय विभाग ने वार्ड 12 के क्षेत्र में पानी की सप्लाई की। उसके बाद मामला शांत हुआ।

महेश कुमार ने बताया कि वार्ड 19 में पानी की सप्लाई ठीक होती है। वहां पानी की किल्लत नहीं रहती है। वार्ड 18 पूर्व महापौर घनश्याम गुर्जर का वार्ड है। वहीं वार्ड 12 भी उससे लगता क्षेत्र है। यहां पानी की सप्लाई कम होती है। पहले दो दिन में करीब एक घंटे से ज्यादा सप्लाई हो जाती थी। अब तो 3 दिन में तो कभी 5 दिन में पानी आता है। वह भी पूरा नहीं आता है। घरों में पानी नहीं आने पर लादिया प्वाइंट पर आकर विरोध किया। हंगामे और घेराव को देखते हुए अधिकारियों ने एडीएम को सूचना देकर पुलिस जाब्ता मांगा। इसके बाद अखैपुरा थाना प्रभारी महेश तिवाड़ी जाब्ते के साथ पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों के बीच समझाइश की। वार्ड के 12 के कुछ हिस्सों में पानी की सप्लाई की गई। आगे तय समय पर सप्लाई करने का आश्वासन दिया गया। तब लोग माने।

एईएन सुनील कुमार यादव ने अखैपुरा थाने में राजकार्य में बाधा पहुंचाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि आज सुबह करीब सात बजे के आस-पास पानी की सप्लाई दी जानी थी। उससे पहले ही 6-45 बजे वार्ड 12 में रहने वाले गौरव शर्मा और बिजेंद्र गुर्जर सहित अन्य लोगों ने लादिया पंप हाउस पर ताला लगा दिया। उन्होंने पंप हाउस से पानी की सप्लाई नहीं होने दी और राजकार्य में बाधा उत्पन्न की। एडीएम को सूचना देकर पुलिस जाब्ता मांगा गया। साढ़े आठ बजे के बाद पानी की सप्लाई की जा सकी।

डूंगरपुर में फर्जी डिग्री वाले आठ शारीरिक शिक्षक बर्खास्त

2022 की भर्ती में फर्जी डिग्री से नौकरी हासिल की थी

डूंगरपुर, (निसं)। फर्जी डिग्री के मामले में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने डूंगरपुर जिले के आठ शारीरिक शिक्षकों (पीटीआई) को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इन शिक्षकों ने वर्ष 2022 की पीटीआई भर्ती परीक्षा में फर्जी डिग्रियों के आधार पर नौकरी हासिल की थी।

जिला शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार जोशी ने बुधवार को सभी पीटीआई को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने के आदेश जारी किए। ये सभी शारीरिक शिक्षक जिले के उच्च प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत थे। डूंगरपुर जिला शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार जोशी ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा वर्ष 2022 में आयोजित पीटीआई-शिक्षक भर्ती परीक्षा में अपात्र अभ्यर्थियों को नौकरी मिलने का मामला सामने आया था। जांच के दौरान अभ्यर्थियों की फर्जी डिग्रियां और अन्य अनियमितताएं पाई गईं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। जोशी ने आगे बताया कि विभागीय आदेशों के तहत इन आठ तृतीय श्रेणी शारीरिक शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इन शिक्षकों ने उत्तर प्रदेश की जेएस यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त की थी।

डेयरी के पूर्व सचिव की हत्या के आरोपी को उम्रकैद

अजमेर, (कासं)। डेढ़ वर्ष पूर्व सरस डेयरी समिति के पूर्व सचिव की हत्या मामले में बुधवार को अजमेर की एडीजे-4 कोर्ट के न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए दोषी को उम्रकैद की सजा और 35 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। मामले में पीड़ित की ओर से पैरवी सरकारी वकील गुलाम नजमी फारूकी ने की थी।

सरकारी एडवोकेट गुलाम नजमी फारूकी ने बताया कि 20 नवंबर 2024 को सरस डेयरी समिति के पूर्व सेक्रेटरी किशनलाल की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। आरोपी ने किशनलाल के चेहरे पर मिर्ची स्प्रे कर चाकू से हमला किया था। मामले की सूचना पर रामगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। वहीं घटना किशनलाल की दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हुई थी। किशनलाल के भाई हंसराज की शिकायत पर रामगंज थाना पुलिस ने आरोपी दिलीप चौधरी को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में चालान पेश किया था। इसके बाद से कोर्ट में ट्रायल चल रही थी। हमलावर चाकू लेकर सेक्रेटरी किशनलाल के ऑफिस में घुसा और कुर्सी पर बैठे किशनलाल के चेहरे पर मिर्च स्प्रे छिड़ककर चाकू से हमला किया और भागने लगा। इस पर किशनलाल कुर्सी लेकर उसके पीछे दौड़े थे। बाहर जाकर वो सड़क पर गिर गए थे।

सरकारी वकील फारूकी ने बताया कि मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 27 गवाह और 60 दस्तावेज पेश किए गए। साथ ही चाकू सहित अन्य सबूत कोर्ट में पेश किए थे। इसके आधार पर एडीजे-4 कोर्ट के न्यायाधीश रितु मीणा ने बुधवार को दोषी दिलीप चौधरी को उम्रकैद की सजा सुनाई।